भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 127

उत्तर दिनांक 31.07.2024 को दिया गया

परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की प्रचालन संबंधी संरक्षा

*127. श्री राव राजेन्द्र सिंह :

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को देश में कार्यरत परमाणु विद्युत संयंत्रों की प्रचालन संबंधी संरक्षा में किन्हीं विसंगतियों की जानकारी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या सरकार को कोटा स्थित राजस्थान परमाणु ऊर्जा संयंत्र (आरएपीपी) सहित ऐसे परमाणु संयंत्रों के आस-पास की आबादी में देखी गई दीर्घकालिक विकृतियों अथवा रोगों की जानकारी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ऐसे और परमाणु विद्युत संयंत्र स्थापित करने की इच्छुक है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) क्या सरकार ने राजस्थान के कोटा में किसी परमाणु ईंधन परिसर की स्थापना की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इस शहर में स्थापित परमाणु परिसर का स्वरूप क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह)

(क) से (घ) : सदन के पटल पर विवरण प्रस्तुत है।

*****

श्री राव राजेन्द्र सिंह द्वारा "परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की प्रचालन संबंधी संरक्षा" के संबंध में, दिनांक 31.07.2024 को उत्तर देने के लिए, पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 127 के भाग (क) से (घ) के संदर्भ में विवरण।

(क) नाभिकीय विद्युत संयंत्रों की प्रचालन संरक्षा में कोई विसंगतियां नहीं हैं। नाभिकीय विद्युत संयंत्रों का प्रचालन, निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसरण में परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (एईआरबी) द्वारा लाइसेंस-प्राप्त उच्च प्रशिक्षित कर्मियों द्वारा किया जाता है। इन प्रक्रियाओं की आवधिक रूप से समीक्षा की जाती है और आवश्यकतानुसार उनका उन्नयन किया जाता है।

(ख) नाभिकीय विद्युत संयंत्रों में कार्यरत कर्मचारियों और उनके परिवार, जो आस-पास की टाउनशिप और गांवों में रहते हैं, उनके स्वास्थ्य मूल्यांकन के लिए महामारी विज्ञान सर्वेक्षण नाभिकीय विद्युत संयंत्र स्थलों के लिए प्रतिष्ठित स्थानीय चिकित्सा महाविद्यालयों द्वारा किया गया है और इसका विश्लेषण देश के प्रमुख कैंसर अनुसंधान केंद्र, मुंबई के टाटा स्मारक अस्पताल द्वारा किया गया है। इन सभी अध्ययनों ने सिद्ध किया है कि नाभिकीय विद्युत संयंत्रों के प्रचालन का संयंत्रों के आस-पास रहने वाले लोगों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं है।

(ग) हां। इस संबंध में, वर्तमान में 7300 मेगावाट की कुल क्षमता वाले नौ (9) नाभिकीय विद्युत रिएक्टर निर्माणाधीन हैं और 8000 मेगावाट की क्षमता वाले बारह रिएक्टरों में पूर्व-परियोजना गतिविधियां चल रही हैं।

(घ) एक हरित परियोजना "राजस्थान के कोटा के रावतभाटा में नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र (एनएफसी) की एक नई उत्पादन सुविधा की स्थापना, जिसमें पीएचडब्ल्यूआर ईंधन संविरचन सुविधा (पीएफएफएफ) और जिरकलॉय संविचरन सुविधा (जेडएफएफ) शामिल है" जिससे 500 टीपीवाई ईंधन ट्यूब का उत्पादन किया जा सकता है और जिस पर 4256.20 करोड़ रुपए का व्यय होगा, राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के रावतभाटा में पूरी होने के प्रगत चरणों में है, जो कि कोटा शहर से लगभग 50 किलोमीटर दूर पर है।

*****